जागरण

G20 Summit 2022: राज्यों की नुमाइश से भारत की ब्रांडिंग, देश के 56 स्थानों पर आयोजित होंगी 200 से अधिक बैठकें

भारत पहली बार जी-20 सम्मेलन का आयोजन करने रहा है। नीति आयोग ने सभी राज्यों से जी-सम्मेलन के दौरान अपनी आर्थिक सामाजिक क्षमता के भव्य प्रदर्शन की तैयारी करने को कहा है। भारत की अध्यक्षता के दौरान 56 स्थानों पर 200 से अधिक जी-20 बैठकें आयोजित की जाएंगी।

राजीव कुमार, नई दिल्ली। भारत पहली बार जी-20 सम्मेलन का आयोजन करने रहा है और इस दौरान दुनिया के प्रमुख देशों के सामने भारत अपनी छवि की ब्रांडिंग में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहता है। यही वजह है कि नीति आयोग ने सभी राज्यों से जी-सम्मेलन के दौरान अपनी आर्थिक, सामाजिक क्षमता के भव्य प्रदर्शन की तैयारी के लिए कहा है। आगामी एक दिसंबर से अगले साल 30 नवंबर तक भारत जी-20 का अध्यक्ष हो जाएगा और इस दौरान भारत के 56 स्थानों पर 200 से अधिक जी-20 बैठकें आयोजित की जाएंगी।

क्या चाहता है भारत

रिन्युएबल एनर्जी, डिजिटल भुगतान, ग्रीन मैन्यूफैक्चरिंग, टेक्नोलॉजी व टूरिज्म जैसे सेक्टर में भारत जी-20 देशों के सामने अपनी नुमाइश कर एक उदाहरण पेश करना चाहता है ताकि दुनिया यह समझने लगे कि इन सेक्टर में भारत ही दुनिया को दिशा दिखा सकता है।

बेहतरीन छवि बनाने में मददगार

जी-20 सम्मेलन के दौरान भारत अन्य सदस्य देशों को यह अहसास कराना चाहता है कि वर्ष 2047 तक वह विकसित देश बनने जा रहा है और उस हिसाब से दुनिया के प्रमुख देश भारत में निवेश करने की योजना बना सकते हैं। भारत की यह छवि बनाने में राज्यों की मदद आवश्यक है।

इन शहरों में होगी बैठकें

सूत्रों के मुताबिक देश की चारों दिशाओं पूरब, पश्चिम, उत्तर व दक्षिण के 56 स्थानों पर जी-20 सम्मेलन से जुड़ी बैठकें होंगी। इनमें लखनऊ, ग्रेटर नोएडा, वाराणसी, आगरा, अमृतसर, कोच्चि, इंदौर, गुजरात के कच्छ, श्रीनगर, देहरादून, शिमला, हैदराबाद शामिल हैं। उत्तर-पूर्व के सभी राज्यों में जी-20 से जुड़ा कोई न कोई कार्यक्रम जरूर आयोजित किया जाएगा।

राज्यों ने शुरू की तैयारियां

जम्मू-कश्मीर में भी जी-20 से जुड़े कई कार्यक्रम आयोजित होंगे। राज्यों ने अपनी-अपनी तैयारी भी शुरू कर दी है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तो अपनी आर्थिक, औद्योगिक, सामाजिक क्षमता के प्रदर्शन की तैयारी के लिए निर्देश भी जारी कर चुके हैं। ताकि दुनिया के सामने उत्तर प्रदेश को नए रूप में पेश किया जाए। अन्य राज्यों में भी ऐसी तैयारियां चल रही हैं।

रिन्युएबल सेक्टर में आगे बढ़ रहा भारत

जानकारों का कहना है कि भारतीय टूरिज्म को प्रोत्साहित करने के लिए टियर-2 व टियर-3 शहरों के होटल वगैरह भी जी-20 की बैठकों के लिए बुक किए जाएंगे ताकि सम्मेलन में आए लोग छोटे पर्यटक स्थलों को देख सके। जी-20 की बैठक के दौरान सदस्य देशों को यह भी संदेश देने की पूरी कोशिश होगी कि भारत कॉप 26 से जुड़ी शर्तों को पूरा करने के लिए किस प्रकार के रिन्युएबल सेक्टर में आगे बढ़ रहा है जबकि विकसित देश इतने प्रतिबद्ध नहीं है।